राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

संख्या–35/2025

प्रेस–विज्ञप्ति

राजभवन में राजस्थान दिवस का आयोजन किया गया

पटना, 30 मार्च, 2025 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने राजभवन, बिहार के राजेन्द्र मंडप में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया तथा राजस्थान के निवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी एवं राज्य के प्रगति और समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे देश में विभिन्न राज्यों के लोगों के रीति–रिवाज, वेश–भूषा, उपासना पद्धतियाँ आदि अलग–अलग हैं, परन्तु यह विविधता हमारी एकता को समृद्ध और परिपूर्ण करती है। हम इस विविधता का सम्मान करें और इसे स्वीकार करें तथा इसके पीछे छिपी हुई एकात्मता को देखने का प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि राजस्थान शौर्य, बहादुरी, समृद्ध संस्कृति और आध्यात्मिता की भूमि है। इस राज्य का नाम सुनकर ही सांख्य दर्शन के प्रणेता कपिल मुनि, महाराणा प्रताप आदि महापुरूषों की स्मृतियाँ मन में आती हैं।

राज्यपाल ने कपिल मुनि और उनकी माता देवहूति के बीच संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि आत्म ज्ञान की प्राप्ति के बाद उसे दूसरे के साथ साझा करने की इच्छा होती है और इस क्रम में उन्होंने अपनी माता को सांख्य दर्शन का मर्म बताया। राज्यपाल ने इस प्रसंग की चर्चा करते हुए कहा कि आत्मा के रूप में 'मैं' हर किसी के अंदर निवास करता हूँ और किसी जीव का सम्मान करना उसका नहीं, बल्कि मेरा अर्थात् आत्मा का मान करना है। हर किसी की जरूरत में अपनी क्षमता के अनुसार समदृष्टि के साथ मदद करनी चाहिए। राजस्थान वासियों के आचरण से पता चलता है कि उन्होंने कपिल मुनि के इस संदेश को आत्मसात किया है।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान की महारानियों ने जन–कल्याण के अनेक कार्य किये और उन्होंने दूसरे के लिए जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के अनुसार उन्हीं का जीवन सार्थक है जो दूसरों के लिए जीते हैं, सिर्फ अपने लिए जीने वाले लोग मुर्दा के समान हैं।

राज्यपाल ने कृष्णार्जुन संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि परिश्रम से प्राप्त इच्छित चीजें हासिल करने के बाद कोई व्यक्ति यदि उसे दूसरों के साथ साझा किये बिना उसका भोग करता है तो उसकी स्थिति चोर के समान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के मूल्य और आदर्श हमारे आचरण में परिलक्षित होने चाहिए।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने इस अवसर पर विक्रम नव संवत्सर–2082 की शुरूआत, वासंती नवरात्र एवं चैती छठ की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने भारतमाता के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। कार्यक्रम में राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ वागडे के संदेश का वाचन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान की संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम को बिहार के मुख्य सचिव श्री अमृत लाल मीणा, सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ० उषा डिडवानिया एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पटना नगर शाखा के अध्यक्ष श्री शशि गोयल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती रेशमा आरिफ, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, मगध प्रमंडल, गया के आयुक्त श्री प्रेम सिंह मीणा सहित बिहार में पदस्थापित राजस्थान के पदाधिकारीगण एवं उनके परिजन, बिहार में पढ़ाई कर रहे राजस्थान के छात्र–छात्राएँ, बिहार में रह रहे राजस्थान के महानुभावगण एवं उनके परिजन तथा राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

....